

## कृषि विभाग

दिनांक 4 सितम्बर, 2000

क्रमांक 2221-कृषि II (1)-2000/14966.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में वर्णित कीट कृषि फसलों के लिये हानिकारक है तथा उक्त कीटों के उन्मूलन तथा उसके फैलाव का पुनः प्रवर्धन के निवारण के उपाय करना आवश्यक हो गया है ।

इसलिये, अब, हरियाणा के राज्यपाल खेती नाशी कीट रोग तथा हानिकारक घास-पात अधिनियम, 1949 (1949 का १० अ० 4) की धारा 3 द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इसके द्वारा :--

- (क) नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में वर्णित कीटों को उक्त अनुसूची के खाना 3 में विनिर्दिष्ट स्थानीय क्षेत्रों के लिये और उसके खाना 2 में विनिर्दिष्ट अवधि के लिये नाशी कीट घोषित करते हैं, और
- (ख) प्रत्येक अविभोगी द्वारा उक्त अनुसूची के खाना 4 में विनिर्दिष्ट निवारक तथा उपचार उपायों को उक्त अनुसूची के खाना 2 में विनिर्दिष्ट सम्पूर्ण स्थानीय क्षेत्र में आकाशीय तथा भूमि छिड़काव द्वारा कार्यान्वित करने के लिये निर्देश देते हैं:—

## अनुसूची

कीट का नाम	अवधि	स्थानीय क्षेत्र	निवारक तथा उपचारी उपाय
1	2	3	4
टिड्डो (सिस्टोसारिका ग्रीगेरिया-एफ)	प्रथम सितम्बर, 2000 से 31 अगस्त, 2001 तक	सम्पूर्ण हरियाणा राज्य	(1) मैलाधियान अल्ट्रा लो वाल्यूम फॅनिटोथियान अल्ट्रा लो वाल्यूम मैलाधियान 5% डस्टिंग पाऊडर, फॅनिटोथियान 5% डस्टिंग पाऊडर, क्लोरार्पाफास 1.5 डस्टिंग पाऊडर, ड्राईजी नान 2% डस्टिंग पाऊडर, या किसी अन्य उचित कीटनाशक के साथ हवाई/भूमि छिड़काव/घूँघप करना । (2) यांत्रिक विधि के द्वारा टिड्डियों के अंडों को नष्ट करना तथा उनके बच्चों को छाईयों में दबाना और रात के समय, प्रोढ़ कीटों को आग से जलाना ।

नसीम अहमद,

आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,  
कृषि विभाग ।

## AGRICULTURE DEPARTMENT

The 4th September, 2000

No. 2221-Agri. II (1)-2000/14966.—Whereas it appears to the Governor of Haryana that the insects mentioned in column 1 of the schedule given below are injurious to agricultural crops and it is necessary to take measures to eradicate the said insects and to prevent their introduction spread or reappearance.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Pests, Diseases and Noxious Weeds Act, 1949 (Act No. 4 of 1949), the Governor of Haryana hereby :—

- (a) declares the insects mentioned in column 1 of the Schedule given below to be the pest for the local areas specified in column 3 of the said Schedule and for the period given in column 2 thereof ; and
- (b) directs the carrying out of preventive and remedial measures specified in column 4 of the said Schedule by every occupier through aerial and ground spraying/dusting throughout the local areas specified in column 3 of the said schedule :—

## SCHEDULE

Name of insect	Period	Local area	Preventive and remedial measures
1	2	3	4
Locust (Schistocera gregaria-F)	1st September, 2000 to 31st August, 2001	Whole of State of Haryana	(i) Aerial/ground spraying/dusting with Fenitrothion Ultra Low Volume, Fenitrothion 5% Dusting Powder, Mala- thion Ultra Low Volume, Malathion

1

2

3

4

5% Dusting Powder, Chloropyciphos  
1.5 Dusting Powder, Diazinon 2%  
Dusting Powder or any other suitable  
pesticides.

- (ii) Mechanical control by destruction of  
eggs of locust and burying of hoppers  
in trenches and burcing of adults at  
night.

NASEEM AHMAD,

Commisloner and Secretary to Government, Haryana,  
Agriculture Department.